

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. पंच महापुरुष योग उदाहरण सहित विस्तार से समझाएं।
2. निम्न का उत्तर दें :-
(क) नीच ग्रह का परिहार कैसे होता है?
(ग) मंगल ग्रह के मकर व कर्क राशि में स्थिति के क्या फल हैं?
3. निम्न कुण्डली का सामान्य विवेचन करें :
पुरुष - 14.3.1965, 10:15, 78:20 पू., 29:38 उ.
लग्न-वृषभ 12:30, सूर्य-मीन 00:01, चन्द्र-कर्क 15:55, मंगल(व)-सिंह 23:31, बुध-मीन 15:45, बृहस्पति-मेष 28:44, शुक्र-कुंभ 22:40, शनि-कुंभ 16:08, राहु-वृषभ 24:37, केतु-वृश्चिक 24:37
4. निम्न कुण्डली के आधार पर उत्तर दें :-
महिला 4.4.1967, 6:30, पटना
लग्न-मेष 5:53, सूर्य-मीन 20:10, चन्द्र-मकर 15:31, मंगल(व)-तुला 5:28, बुध-कुंभ 22:39, बृहस्पति-कर्क 01:19, शुक्र 24:15, शनि-मीन 10:27, राहु-मेष 13:46, केतु-तुला 13:46
(क) इस कुण्डली में कौन-कौन से योग हैं व उनके क्या फल हैं?
(ख) इस कुण्डली के सप्तम भाव पर अपना मत दें।
5. निम्न का उत्तर दें :-
i) वर्गोत्तम ii) षोडश वर्ग iii) योगकारक iv) त्रिषडायाधिपति

भाग-II (दशा व गोचर)

6. विंशोत्तरी दशा प्रणाली क्या हैं व इसके सामान्य नियम बताइये।
7. योगिनी दशा व जन्म पर शेष दशा गणना की विधि बताएं। इसकी प्रश्न 4 के लिए गणना करें।
8. (क) सप्त शलाका चक्र के नियम व महत्त्व बताएं।
(ख) अष्टम, अर्धाष्टम व जन्म शनि पर विवेचना लिखें।
9. मन्द गति से चलने वाले ग्रहों को गोचर में क्यों महत्त्व दिया जाता है? बृहस्पति एवं शनि के गोचर का फलित में क्या उपयोग है।
10. निम्न का उत्तर दें :-
(क) अंतर दशा के फलित में क्या नियम हैं?
(ख) बृहस्पति महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर दशा के क्या सामान्य फल हैं?